• बाल कविता...

अपना घर...

अपने घर की बात अलग है
लगता है घर प्यारा
कच्चा-पक्का ऊंचा-नीचा
सायबान ओसारा
छत लगती है इंद्रलोक-सी
आंगन बागों जैसा
दरवाजे, घर का चबूतरा
मीठे रागों जैसा
चिड़ियां साथिन होतीं, जिनसे
घर गूंता हमारा
दिल्ली है, बंबई शहर है
भवन बीस तल वाले
आसमान को छूते हैं ये
लगते बड़े निराले
मगर खुशी की तो बहती है
अपने ही घर धारा
घर का हर कमरा-बरामदा
हर खिड़की-दरवाजा
जैसे हर क्षण हमें बुलाते
कहते आ जा, आ जा
घर में मां है, थपकी देती
सो जा राजदुलारा
बाहर अगर कहीं जाते हैं
घर की यादें आतीं
बहुत दूर हों, तब तो अक्सर
आंखें भर-भर जातीं
घर खिल-खिल हंसने लगता है
ज्यों संसार हमारा
अपने घर की बात अलग है
लगता है घर प्यारा।

■ श्रीप्रसाद

• चुटकुले...

एक दिन भगवा ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा–क्या तुम्हे कुछ याद है?
आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया...
भगवान हंसकर बोले–पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया, पर वायरस फिर रह गया...।

शादी के भेज में एक अनजान व्यक्ति को खाते देखकर घर वाले ने पूछा–
माफ कीजिएगा, आपको निमंत्रण दिया गया था क्या?
अनजान व्यक्ति (गरम होते हुए) बोला–नहीं दिया तो ये मेरी गलती है क्या...

• जानकारी...

दुनिया की सबसे महंगी तलवार...

आज दुनिया में युद्ध बंदूकों, मिसाइलों और हाइटेक हथियारों से लड़े जाते हैं। लेकिन इतिहास में ऐसा नहीं था। उस वक्त राजाओं के बीच युद्ध बेहतरीन तलवारों से लड़ा जाता था। चलिए आज इस आर्टिकल में हम आपको दुनिया की सबसे महंगी तलवारों के बारे में बताते हैं। इसमें से एक तलवार ऐसी है, जिसकी कीमत 800 करोड़ से भी ज्यादा है।

दुनिया की सबसे महंगी तलवार का नाम फुकुशिमा मासानोरी समुराई ताची है। luxuo डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तलवार की कीमत 100 मिलियन डॉलर है। भारतीय रुपयों में 8 सौ 34 करोड़ से ज्यादा होगा। इस तलवार के मालिक थे फुकुशिमा मासानोरी थे। इस तलवार की धार इतनी तेज है कि अगर ये आपसे छू जाए तो आपकी स्किन कट सकती है।

दुनिया की दूसरी सबसे महंगी तलवार है यामाटोरिजे इसे कुछ लोग सैंचोमो भी कहते हैं। इसकी कीमत 50 मिलियन डॉलर है। भारतीय रुपयों में ये 4 सौ 34 करोड़ से ज्यादा की रकम होगी। ये तलवार कामकुरा पीरियड की है। ये तलवार देखने में एक दम आग की तरह चमकती है। इस जापानी तलवार की बनावट ऐसी है कि ये चलते समय एक साथ दो-दो दुश्मनों को खत्म कर सकती है।

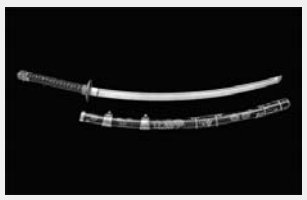

दुनिया में तीसरी सबसे महंगी तलवार यामाउबागरी कुनिहिरो है। इस तलवार की कीमत 2 सौ करोड़ से ज्यादा है। जापान में इसे कटाना के नाम से जानते हैं। जापानी इतिहास में इस तलवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। इस तलवार को 16वीं सदी में बनाई गई थी। कहा जाता है कि उस समय इसे बनाने के लिए सबसे बेस्ट तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसे इस तरह से बनाया गया था कि किसी भी तरह के तापमान पर इस तलवार की ब्लेड खराब ना हो। इस तलवार की धार के बारे में कहा जाता है कि ये इतनी घातक थी कि इससे दूसरी तलवार तक को काटा जा सकता था।

• गोनू झा

गोनू झा को समझते देर न लगी कि चोर होंगे। आहट कुछ टटोले जाने से पैदा हो रही थी। ओसारे में कई 'माठ' पड़े थे जिनमें अनाज रखे गए थे। गोनू झा ने 'अकान' कर समझा कि माठ में रखे 'नपना' के टकराने से खट– पट की आवाज पैदा हो रही है जिससे उनकी निद्रा भंग हुई थी।

गोनू झा के दिमाग में अचानक एक विचार कौंधा और वे झटके से उठे और पलंग पर बैठकर अपनी पत्नी को जगाने लगे...

रात का भाव

गोनू झा एक रात सोए हुए थे। उनकी पत्नी गहरी नींद में उसी पलंग पर सो रही थी जिस पर गोनू झा सोए हुए थे । गोनू झा कच्ची नींद में थे। कहीं से आ रही खट-पट की आवाज से उनकी नींद उचट गई । उन्होंने ध्यान देकर इस आवाज को समझने की कोशिश की। आवाज बाहर वाले ओसारे से आ रही थी।

गोनू झा को समझते देर न लगी कि चोर होंगे। आहट कुछ टटोले जाने से पैदा हो रही थी। ओसारे में कई 'माठ' पड़े थे जिनमें अनाज रखे गए थे। गोनू झा ने 'अकान' कर समझा कि माठ में रखे 'नपना' के टकराने से खट- पट की आवाज पैदा हो रही है जिससे उनकी निद्रा भंग हुई थी।

गोनू झा के दिमाग में अचानक एक विचार कौंधा और वे झटके से उठे और पलंग पर बैठकर अपनी पत्नी को जगाने लगे। पंडिताइन के शरीर को जोरों से झकझोरते हुए गोनू झा ने आवाज लगानी शुरू कर दी - 'अरे उठो भाग्यवान । जल्दी उठो । नहीं तो बड़ा अनर्थ हो जाएगा।'

पंडिताइन गहरी नींद में थी । दिन भर की थकी -माँदी। वह कच्ची नींद से जगाए जाने से झल्ला गई - 'ओह , सोने क्यों नहीं देते ?'

'अरे उठ भी! कहीं लाखों का नुकसान न हो जाए।' गोनू झा ने एक - एक शब्द चबाते हुए कहा।

लाखों का नुकसान की बात सुनकर पंडिताइन थोड़ा सजग हुई और बिस्तर पर उठकर बैठ गई।

उधर चोर जो 'माठ' से अनाज चुराने की ब्योंत में लगा था, गोनू झा के मुँह से निकले लाखों शब्द सुनकर आगे की बात सुनने के लिए पैर चाँपते हुए खिड़की से कान सटाकर खड़ा हो गया।

अमावास की रात के घने अन्धकार में उसे इतना इत्मीनान था कि भीतर से कोई उसे देखना भी चाहे तो देख नहीं सकेगा।

पंडिताइन ने सचेत होते हुए गोनू झा से पूछा - 'कोई सपना देख लिए क्या कि अचानक आधी रात में लाखों का नुकसान की बात करने लगे?'

गोनू झा ने कहा - 'अरे पंडिताइन। समझो कि अपने भाग्य जग गए। मैं जो एक पोटली सेंबल के बीज लाया था, वह कहाँ हैं?'

पंडिताइन इस बेतुकी बात पर फिर झल्ला पड़ी। 'ओ! यह क्या बात हुई? आधी रात में सोए से जगाया? कहने लगे लाखों का नुकसान हो जाएगा, जैसे कोई हीरा-मोती, जर जेवरात की बात हो और अब पूछ रहे हो, संबल के बीज कहाँ हैं? कहीं दिमाग तो नहीं फिर गया है?'

गोनू झा ने पंडिताइन को डपट दिया-'अरे! फालतू बकवास में मत पड़। यह बता कि सेंबल के बीज कहाँ हैं?'

पंडिताइन गोनू झा के तेवर देखकर सहम गई और बिसूरती हुई बोली - 'बाहर ओसारे की बनेरी में बीज की पोटली बँधी हुई है।'

गोनू झा ने बिगड़ते हुए कहा - 'अरे, उस पोटली को तूने इतनी लापरवाही से रखा?'

पंडिताइन को भी गुस्सा आ गया और वह भी तेज आवाज में बोल पड़ी - 'दू पाई का भी होगा वह सेंबल का बीज, मैं क्या उसे तिजोरी में रखती? काहे आधी रात में टँटा खड़ा कर रहे हो?'

चोर साँस रोके गोनू झा और पंडिताइन के बीच हो रही बातचीत को सुन रहा था। उसे भी समझ में नहीं आ रहा था कि एक पोटली सेंबल के बीज के लिए गोनू झा इतना तड़क क्यों रहे हैं!

तभी उसके कान में गोनू झा की आवाज पड़ी - 'अरे भाग्यवान! अब वह सेंबल का बीज तिजोरी में ही रखा जाएगा।

-जारी

• रोचक...

सैलून कोच...

भारतीय रेलवे हर वर्ग को सुविधा देने के साथ ही जो लोग लग्जरी यात्रा करना चाहते हैं, उनके लिए भी खास व्यवस्था करता है। रेलवे के पास पैलेस ऑन व्हील्स की तरह लग्जरी यात्रा करने के कई ऑप्शन हैं। ऐसा ही एक ऑप्शन है सैलून कोच। सैलून एक तरह के लग्जरी डिब्बे होते हैं, जो सीट के हिसाब से नहीं बल्कि डिब्बे के हिसाब से बुक होते हैं। यह एक तरीके से लग्जरी कमरे होते हैं, जिनमें बैठक आप लंबी दूरी तक यात्रा कर सकते हैं। किसी भी ट्रेन के साथ एक या दो कोच लगा दिए जाते हैं। कई बार तो इंजन के साथ सिर्फ ये ही दो कोच होते हैं और दो कोच की ट्रेन होती है। पहले इन कोच का इस्तेमाल ट्रेन अधिकारियों द्वारा किया जाता था। कभी किसी प्रोजेक्ट या दुर्घटना की स्थिति में अधिकारी इससे ट्रैवल करते थे। सैलून एक तरह के लग्जरी डिब्बे होते हैं, जो सीट के हिसाब से नहीं बल्कि डिब्बे के हिसाब से बुक होते हैं। यह एक तरीके से लग्जरी कमरे होते हैं, जिनमें बैठक आप लंबी दूरी तक यात्रा कर सकते हैं. किसी भी ट्रेन के साथ एक या दो कोच लगा दिए जाते हैं।

• सौर ऊर्जा...

सौर ऊर्जा वह ऊर्जा है जो सीधे सूर्य से प्राप्त की जाती है। यहीं धरती पर सभी प्रकार के जीवन (पेड़–पौधे और जीव–जन्तु) का सहारा है। वैसे तो सौर ऊर्जा को विविध प्रकार से प्रयोग किया जाता है, किन्तु सूर्य की ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने को ही मुख्य रूप से सौर ऊर्जा के रूप में जाना जाता है। सूर्य की ऊर्जा को दो प्रकार से विद्युत ऊर्जा में बदला जा सकता है। पहला प्रकाश–विद्युत सेल की सहायता से उष्मा से गर्म करने के बाद इससे विद्युत जनित्र चलाकर सौर ऊर्जा सबसे अच्छा ऊर्जा है।